भारत सरकार

रेल मंत्रालय

राज्य सभा

07.08.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2358 का उत्तर

अमृत भारत स्टेशन योजना की प्रगति एवं उपलब्धियाँ

2358. श्री प्रदीप कुमार वर्मा:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार द्वारा देशभर के रेलवे स्टेशनों के आधुनिकीकरण एवं यात्री सुविधाओं के उन्नयन के उद्देश्य से अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है;

(ख) यदि हाँ, तो इस योजना के अंतर्गत अब तक चयनित, स्वीकृत तथा पूर्ण किए गए रेलवे स्टेशनों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार द्वारा स्टेशनों पर दिव्यांगजन - अनुकूल सुविधाओं, डिजिटल सेवाओं एवं मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के विकास हेतु विशेष पहल की गई है; और

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): भारतीय रेल में अमृत भारत स्टेशन योजना सहित परियोजनाओं के कार्यान्वयन की निगरानी, उनकी समीक्षा, निरीक्षण और कार्यों की गुणवत्ता की जांच के लिए एक सुव्यवस्थित तंत्र है। विभिन्न संहिताओं और नियमावलियों में निर्धारित मानकों और विशिष्टताओं का अनुपालन करते हुए निर्माण कार्य किए जाते हैं। निर्धारित अनुदेशों के अनुसार, क्षतिपूर्ति सहित विभिन्न एजेंसियों/पदाधिकारियों द्वारा समय-समय पर निरीक्षण/जांचें की जाती हैं और सुधार के लिए तुरंत कार्रवाई की जाती है। यह एक सतत् और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है।

रेल मंत्रालय ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

इस योजना में भारतीय रेल के स्टेशनों में सुधार करने के लिए मास्टर योजना तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन शामिल है। इस मास्टर योजना में, प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित कार्य शामिल हैं:

- स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार,
- स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण,
- स्टेशन भवन में सुधार,
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, पानी के बूथ में सुधार,
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े पैदल पार पुल/भूमिगत पैदल पार पथ का प्रावधान
- लिफ्ट/स्वचालित सीढ़ियों/रैंप का प्रावधान
- प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार, प्लेटफॉर्म शेल्टर का प्रावधान
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान,
- पार्किंग क्षेत्र का विकास
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं,
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली,
- एयर कॉन्कोर्स, एग्जीक्यूटिव लाउंज, मल्टीमॉडल एकीकरण, भूसुदर्शनीकरण आदि का प्रावधान शामिल हैं।

इस योजना में आवश्यकता, चरणबद्धता और व्यवहार्यता के अनुसार संधारणीय और पर्यावरण अनुकूल समाधान आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

अब तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए 1340 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिनमें से 261 स्टेशनों को पूरा कर लिया गया है। पूर्ण हो चुके स्टेशनों का ब्यौरा निम्नानुसार हैं:

ऐशबाग जंक्शन, अलनावर, अंब अंदौरा, अम्बासमुद्रम, अंबिकापुर, आमगांव, आनंदपुर साहिब, अनारा, अंगमाली फॉर कलाडी, अशोकनगर अयोध्या धाम जंक्शन, बछरावाँ, बादामी, बागलकोट, बहेरी, बैजनाथ पपरोला, बालाघाट, बलांगीर, बालोद, बलरामपुर, बनमनखी, बंतावाला, बाराभूम, बारामती, बरेली सिटी, बारीपदा, बाड़मेर, बरपाली, बेगमपेट, ब्योहारी, भक्तिनगर, भानुप्रतापपुर, भिलाई, भिंड, बिजनौर, बिमलगढ़, बोम्मिडी, बूंदी, भायखला, चाईबासा, चालकुडी, चंपा, चंदा फोर्ट, चाण्डिल, चंगनास्सेरी, चेन्नै पार्क, छिंदवाड़ा, चिदंबरम, चिंचपोकली, चिन्नसेलम, चिरयिनकीष़, चुनार जंक्शन, कुन्नूर, कुंबुम, कटक, डाकोर, डालीगंज, दल्लीराझरा, दौरम मधेपुरा, दौसा, डीग, डेरोल, देशनोक, देवलाली, धामपुर, धारवाड़, धुले, दीघा, डोंगरगढ़, एलुरु, फतेहाबाद,

फतेहनगर, फतेहपुर, फतेहपुर शेखावाटी, फेरोक, गडग, गंगापुर सिटी, गड़बेत्ता, गौरीगंज, गिरिडीह, गोड्डा, गोधरा जंक्शन, गोगामेड़ी, गोकक रोड, गोला गोकर्णनाथ, गोमतीनगर, गोटन, गोवर्धन, गोविंद गढ़, गोविंदपुर रोड, गोविंदपुरी, गुरूवायूर, हफिजपेट, हैबरगांव, हल्दिया, हल्दीबाड़ी, हापा, हरपालपुर, हर्रावाला, हाथरस सिटी, हाई-टेक सिटी, हिमायतनगर, होडल, होसपेट, ईदगाह आगरा जंक्शन, इज्जतनगर, जैसलमेर, जालंधर कैंटोनमेंट जं., जलपाईगुड़ी रोड, जाम जोधपुर, जाम वनथली, जनगांव, जींद जं., जॉयचंदी पहाड़ जंक्शन, जुन्नोर देव, कहलगांव, काकीनाडा टाउन जंक्शन, कालका, कल्याणी घोषपारा, कामाख्यागुड़ी, कनालुस जंक्शन, कारैक्कुडि जंक्शन, करमसद, करीमनगर, कटनी साउथ, कतरासगढ़, केडगांव, केसिंगा, खैरथल, खलीलाबाद, खंभालिया, खरियार रोड़, कोप्पल, कोसंबा जंक्शन, कोटद्वार, कुलितुरई, कुट्टिपुरम, लासलगांव, लिम्बडी, लोहरदगा, लोनांद जंक्शन, मधुपुर जंक्शन, महबूबाबाद, माहे, महुवा, मैलानी जंक्शन, माजबाट, मल्कापुर, मांबलम, मणप्पारै, मंडल गढ़, मंडावर महवा रोड, मंडी डबवाली, मंगलागिरी, मन्नारगुडी, माटुंगा, मावेलिक्करा, एमसीएस छतरपुर, मीठापुर, मोदीनगर, मोहनलालगंज, मोरप्पुर, मोरबी, मुक्तसर, मुनिराबाद, मुरी जंक्शन, मुर्तिजापुर जंक्शन, नैनपुर जंक्शन, नमक्कल, नंदुरा, नर्मदापुरम, नरवाना जंक्शन, नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी जंक्शन, निदादावोलू जंक्शन, नीलांबुर रोड, ओखा, ओरई, ओरछा, पाकुड़, पलनि, पालीताना, पानागढ़, पनकी धाम, परमक्कुडी, परप्पनंगडी, परेल, परलाखेमुंडी, फाफामऊ जं., पीरपैंती, पिस्का, पुखरायाँ, पोल्लाच्चि जंक्शन, पोलूर, पोरबंदर, प्रतापनगर, प्रयाग जं., राजनांदगांव, राजगढ़, राजमहल, राजुला जंक्शन, रामागुंडम, रामगढ़ कैंटोनमेंट, रामघाट हाल्ट, रानिबेन्नूर, रायनपाडु, सबौर, सहारनपुर जंक्शन, साहिबगंज, सलेमपुर, समखियाली, समलपट्टी, सांची, शंकरपुर, सरोना, साहिबजादा अजीत सिंह नगर मोहाली, सावदा, सिवनी, शहाद, शाजापुर, शामली, शिवनारायणपुर, शिवपुरी, शोलावंदन, षोरणूर जंक्शन, श्रीधाम, सिद्धार्थ नगर, सीहोर जंक्शन, सिमुलतला, सिउरी, सोजत रोड, सोमेसर, श्री बाला ब्रह्मेश्वर जोगुलम्बा, श्रीरंगम, श्रीविल्लिपुत्तूर, सेंट थॉमस माउंट, सुब्रह्मण्य रोड, सुल्लुरपेटा, सुरेमनपुर, स्वामीनारायण छापिया, तालचेर, तामलुक, टनकपुर, थालास्सेरी, थावे, थिरुवरूर जंक्शन, टीकमगढ़, तिरूर, तिरूवण्णामलै, त्रिपुनिथुरा, टूनी, उदगमंडलम, उझानी, उरकुरा, उतरन, वडकारा, वडाला रोड, विदिशा, विंध्याचल, वृद्धाचलम जंक्शन, वडकांचेरी, वारंगल।

1340 स्टेशनों में से, झारखंड के 57 स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए चिह्नित किया गया है। झारखंड में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए चिह्नित स्टेशनों के नाम निम्नलिखित हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों का नाम
झारखंड	57	बालसिरिंग, बानो, बरजामदा जं, बरकाकाना, बासुकीनाथ, भागा, बोकारो स्टील सिटी, चाईबासा, चक्रधरपुर, चांडिल, चंद्रपुरा, डाल्टनगंज, डांगोवापोसी, देवघर, धनबाद, दुमका, गम्हरिया,

		गंगाघाट, गढ़वा रोड, गढ़वा टाउन, घाटशिला, गिरिडीह, गोड्डा, गोबिंदपुर रोड, हैदरनगर, हटिया, हजारीबाग रोड, जामताड़ा, जापला, जसीडीह जं, कटरासगढ़, कोडरमा जं, कुमारडुबी, लातेहार, लोहरदगा, मधुपुर जं, मनोहरपुर, मोहम्मदगंज, मुरी जं, एन.एस.सी.बी. जं., गोमोह, नगर उंटारी, नामकोम, ओड़गा, पाकुड़, पारसनाथ, पिस्का, राजखरसवां, राजमहल, रामगढ़ कैंट, रांची जंक्शन, साहिबगंज, शंकरपुर, सिल्ली, सिनी, टाटानगर, टाटीसिलवे, विद्यासागर

झारखंड के स्टेशन जिनका कार्य पूरा कर लिया गया है:

झारखंड में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों के विकास कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं। झारखंड के स्टेशन जिनका कार्य पूरा कर लिया गया है, का ब्यौरा निम्नानुसार है:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों का नाम
झारखंड	15	चाईबासा, चांडिल, गिरिडीह, गोड्डा, गोविंदपुर रोड, कटरासगढ़, लोहरदगा, मधुपुर जंक्शन, मुरी जंक्शन, पाकुड़, पिस्का, राजमहल, रामगढ़ कैन्ट, साहिबगंज, शंकरपुर

- **शंकरपुर स्टेशन:** विकास कार्य पूरे हो चुके हैं, जिनमें दूसरे प्रवेश द्वार पर नया स्टेशन भवन, प्रवेश प्रांगण, 3 मीटर चौड़ा ऊपरी पैदल पार पुल, प्लेटफॉर्म का विस्तार, प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार, प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्रतीक्षालय, परिचलन क्षेत्र में सुधार, पार्किंग, रेलगाड़ी संकेतन बोर्ड, संकेतकों का संस्थापन और दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं शामिल हैं।
- **राजमहल स्टेशन:** विकास कार्य पूरे हो चुके हैं, जिनमें स्टेशन भवन का सुधार, प्रवेश प्रांगण, प्लेटफॉर्म का विस्तार, परिचलन क्षेत्र में सुधार, पार्किंग, लैंडस्केपिंग, अधिकृत ध्वज, प्रतीक्षालय में सुधार, शौचालय, संकेतक लगाना, कलाकृति और दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं शामिल हैं।

अन्य स्टेशनों पर विकास के कार्यकलाप भी तीव्र गति से शुरू किए गए हैं और कुछ स्टेशनों की प्रगति निम्नानुसार है:

- **बानो स्टेशन:** स्टेशन भवन में सुधार, प्रकाश व्यवस्था, प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्रवेश और निकास द्वार, पहुंच मार्ग, प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार, परिचलन क्षेत्र में सुधार, पार्किंग और वाटर बूथ के सुधार का कार्य पूरा हो चुका है। मौजूदा ऊपरी पैदल पार पुल के लिए रैंप और दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं का कार्य शुरू कर दिया गया है।

- **ओड़गा स्टेशन:** स्टेशन भवन में सुधार, प्रकाश व्यवस्था, प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्रवेश और निकास द्वार, प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार, परिचलन क्षेत्र में सुधार और पेयजल बूथ का कार्य पूरा हो चुका है। दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं का कार्य शुरू कर दिया गया है।
- **भागा स्टेशन:** प्रतीक्षालय में सुधार, नए प्रतीक्षालय, प्रवेश प्रांगण, रैंप, प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार, पार्किंग, शौचालय, जल बूथ, बुकिंग कार्यालय और चहारदीवारी का कार्य पूरा हो चुका है। लिफ्ट और दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं का कार्य शुरू कर दिया गया है।
- **बोकारो स्टील सिटी स्टेशन:** स्टेशन भवन में सुधार, नए प्रतीक्षालय, प्रवेश प्रांगण, नया प्रतीक्षा कक्ष और शय्यागृह में सुधार, वेटिंग लाउंज, शौचालय, बुकिंग कार्यालय, रैंप, प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार, परिचलन क्षेत्र में सुधार, पार्किंग, वाटर बूथ और पहुँच मार्ग के सुधार का कार्य पूरा हो चुका है। एस्केलेटर लगाने का कार्य शुरू कर दिया गया है।
- **रांची स्टेशन:** नए स्टेशन भवन (दक्षिण दिशा) के दूसरे प्रवेश द्वार का संरचनात्मक कार्य, अतिरिक्त प्लेटफॉर्म और 6 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पार पुल के विस्तार का संरचनात्मक कार्य पूरा हो गया है। नए स्टेशन भवन का परिष्करण कार्य, ऊपरी पैदल पार पुल का विस्तार, प्रवेश प्रांगण, अतिरिक्त प्लेटफॉर्म पर शेल्टर, परिचलन क्षेत्र में सुधार, पार्किंग, नया 6 मीटर चौड़ा ऊपरी पैदल पार पुल, इलेक्ट्रिकल सबस्टेशन, भूमिगत पानी की टंकी और सीवेज उपचार संयंत्र का कार्य शुरू कर दिया गया है।

अन्य स्टेशन:

- **भुवनेश्वर स्टेशन:** पश्चिम और पूर्व की ओर नए स्टेशन भवन, एयर कॉनकोर्स, पश्चिम और पूर्व की तरफ एलिवेटेड ड्राइववे और ऊपरी पैदल पार पुल के विस्तार का कार्य पूरा हो चुका है। प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार, परिचलन क्षेत्र में सुधार, प्लेटफॉर्म शेल्टर, लिफ्ट और एस्केलेटर का कार्य शुरू किया गया है।
- **छत्रपति संभाजीनगर स्टेशन:** नए डाकघर भवन और पार्सल कार्यालय, उत्तर की ओर रेल सुरक्षा बल और राजकीय रेल पुलिस के नए भवन का कार्य पूरा हो चुका है। दक्षिण की ओर नए आगमन और प्रस्थान भवन, नया प्रतीक्षालय, शौचालय, एयर कॉनकोर्स, 6 मीटर चौड़ा ऊपरी पैदल पार पुल, छत, उत्तर और दक्षिण की ओर नए भूमिगत टैंक, उत्तर और दक्षिण की ओर नए सीवेज उपचार संयंत्र, नए विद्युत उप-स्टेशन भवन का कार्य शुरू कर दिया गया है।
- **गया स्टेशन:** द्वितीय प्रवेश द्वार पर नए आगमन भवन का कार्य पूरा हो चुका है। द्वितीय प्रवेश द्वार पर नए प्रस्थान भवन, मुख्य प्रवेश द्वार पर नए आगमन और प्रस्थान भवन, नया प्लेटफॉर्म सं. 8, नए प्लेटफॉर्म शेल्टर, एयर कॉनकोर्स और परिचलन क्षेत्र के सुधार का कार्य शुरू किया गया है।

- **नागपुर जं. स्टेशन:** यात्री आरक्षण प्रणाली भवन और बुकिंग कार्यालयों के स्थान परिवर्तन का कार्य तथा मुख्य प्रवेश द्वार की ओर पार्किंग में सुधार का कार्य पूरा हो चुका है। नए प्रशासनिक भवन का निर्माण, मुख्य प्रवेश द्वार की ओर प्रस्थान भवन और बेसमेंट पार्किंग का कार्य, दूसरे प्रवेश द्वार की ओर प्रस्थान भवन और एकीकृत बेसमेंट का निर्माण, नए एयर कॉनकोर्स, प्लेटफॉर्म 8 पर प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार और नए प्लेटफॉर्म शेल्टर का कार्य शुरू किया गया है।
- **रामेश्वरम स्टेशन:** मल्टी फंक्शनल कॉम्प्लेक्स भवन को विश्रामालयों में परिवर्तित करने, पूर्वी और उत्तरी टर्मिनल भवन के संरचनात्मक कार्य, पार्सल कार्यालय, प्रस्थान फोरकोर्ट, आगमन फोरकोर्ट, सबस्टेशन भवन और सीवेज उपचार संयंत्र के कार्य पूरे हो चुके हैं। पूर्वी टर्मिनल भवन, उत्तरी टर्मिनल भवन का परिष्करण, प्रस्थान फोरकोर्ट, सीवेज उपचार संयंत्र, आगमन फोरकोर्ट, प्लेटफॉर्म शेल्टर और प्रतीक्षालय के सुधार के कार्य शुरू किए गए हैं।
- **तिरुपति स्टेशन:** दक्षिण की ओर नए स्टेशन भवन (जी+3+बेसमेंट) का संरचनात्मक कार्य, उत्तर की ओर नए स्टेशन भवन के संरचनात्मक कार्य, एयर कॉनकोर्स, भूमिगत और ओवरहेड पानी की टंकियाँ, सीवेज उपचार संयंत्र, वर्षा जल संचयन, ऊपरी सड़क पुल के लिए रैंप, लिफ्ट और एस्केलेटर का कार्य पूरा हो चुका है। स्टेशन भवन का परिष्करण, संपर्क पुल, पहुंच मार्ग और प्लेटफॉर्म शेल्टर के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

इसके अलावा, भारतीय रेल में दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं, संकेतक, सवारी डिब्बा और रेलगाड़ी संकेतन बोर्ड, तथा मल्टी-मॉडल संपर्कता जैसी यात्री सुविधाओं के प्रावधान सहित स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण एक सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में निर्माण कार्य आवश्यकता, परस्पर प्राथमिकता के अध्यधीन और निधियों की उपलब्धता के अनुसार शुरू किए जाते हैं। स्टेशन का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण स्टेशन की कोटि/अवस्था/यातायात संभलाई आदि के आधार पर किया जाता है।

भारतीय रेल, भारत सरकार के "सुगम्य भारत मिशन" अथवा 'एक्सेसिबल इंडिया कैंपेन' के भाग के रूप में रेलवे स्टेशनों को दिव्यांगजनों और कम गतिशीलता वाले यात्रियों के लिए सुलभ बनाने के लिए सभी प्रयास कर रही है। दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के अनुपालन में, "भारतीय रेल के स्टेशनों पर सुगम्यता संबंधी दिशानिर्देशों" और स्टेशनों पर दिव्यांगजनों एवं कम गतिशीलता वाले यात्रियों के लिए सुविधाओं को भारत के राजपत्र में परिपत्रित और अधिसूचित किया गया है। इन दिशानिर्देशों में दिव्यांगजनों और कम गतिशीलता वाले यात्रियों के लिए प्रवेश द्वार पर रैंप, सुलभ पार्किंग, कम ऊंचाई वाले टिकट काउंटर/सहायता बूथ, शौचालय, पेयजल बूथ, रैंपों/लिफ्टों सहित भूमिगत पैदल पार पथ/ऊपरी पैदल पार पुल, दृष्टिबाधित यात्रियों हेतु ब्रेल संकेतकों और टेक्टाइल स्पर्श मार्ग सहित मानक संकेतक आदि जैसी सुविधाओं के

प्रावधान शामिल हैं, जिन्हें चरणबद्ध रूप से और गाड़ी में उचित स्थान के सिद्धांतों के आधार पर कार्यान्वयन हेतु शुरू किया गया है।

भारतीय रेल पर दिव्यांगजनों के लिए आवश्यक सुविधाओं से संबंधित मानदंडों/नीति दिशानिर्देशों के अनुसार, स्टेशनों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था और लिफ्ट की सुविधा प्रदान की जा रही है। इसके तहत, अब तक 791 रेलवे स्टेशनों पर 2,159 लिफ्ट की व्यवस्था की जा चुकी हैं।

रेलवे द्वारा व्हीलचेयर मुहैया कराई जाती हैं और दिव्यांगजनों, वरिष्ठ नागरिकों आदि को रेलगाड़ियों तक लाने और ले जाने के लिए उनके परिचारकों को निःशुल्क मुहैया कराई जाती हैं। बहरहाल, जब परिचारक उपलब्ध न हों, तब दिव्यांगजनों आदि को लाने-ले जाने के लिए पूर्व-निर्धारित मामूली दरों पर लाइसेंसधारी सहायक की सहायता प्राप्त की जा सकती है।

प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर दिव्यांगजनों, वरिष्ठ नागरिकों, रोगी यात्रियों और गर्भवती महिलाओं को उचित रूप से वरीयता प्रदान करते हुए यात्रियों को 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर बैटरी संचालित वाहन (बीओवी) उपलब्ध कराए जाते हैं। यह सुविधा कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व/प्रायोजन के माध्यम से 'निःशुल्क' और सेवा प्रदाता के माध्यम से सशुल्क मुहैया कराई जाती है।

डिजिटल सेवाएँ:

भारतीय रेल ने यात्रियों के लिए डिजिटल सेवाएं विकसित करने के लिए निम्नलिखित विशेष पहल शुरू की हैं:

1. यात्री आरक्षण प्रणाली: यात्रियों के पास पारंपरिक यात्री आरक्षण प्रणाली काउंटरों के साथ-साथ वेबसाइट और मोबाइल ऐप सहित कई डिजिटल माध्यमों से रेलगाड़ी टिकट बुक करने की सुविधा है। भारतीय रेल ने यात्री आरक्षण प्रणाली का पूर्ण आधुनिकीकरण किया है। इसमें हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, नेटवर्क उपकरण, सुरक्षा अवसंरचना और नई विशेषताओं को संभालने में सक्षम डिज़ाइन वाली नई प्रौद्योगिकी पर कार्यात्मकताओं का उन्नयन और प्रतिस्थापन शामिल हैं। नई प्रणाली को इसके वर्तमान क्षमता से 4 गुना अधिक क्षमता के लिए डिजाइन किया गया है।

2. रेलवन ऐप: रेलवे ने 01.07.2025 को रेलवन ऐप लॉन्च किया है। इस ऐप में भारतीय रेल की सभी सार्वजनिक सेवाएं जैसे आरक्षित टिकट प्रणाली, अनारक्षित टिकट प्रणाली और प्लेटफॉर्म टिकट प्रणाली, गाड़ी पूछताछ, पीएनआर पूछताछ, रेलमदद, आदि एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध

है। उपयोगकर्ता एकल लॉग इन सुविधा के माध्यम से एकीकृत तरीके से इन सभी सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। रेलवन ऐप को एंड्रॉयड प्ले स्टोर और एप्पल ऐप स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है और इसका रजिस्ट्रेशन उपयोगकर्ता अनुकूल है। वस्तुतः इससे यात्री आरक्षण प्रणाली की सुविधा यात्रियों की हथेली में ही आ गई है।

3. अनारक्षित टिकट प्रणाली: अनारक्षित टिकट प्रणाली अनारक्षित टिकट बुक करने की सुविधा प्रदान करती है, जिसका उपयोग मुख्य रूप से दैनिक यात्रियों और उपनगरीय यात्रियों द्वारा किया जाता है। यात्री बुकिंग कार्यालयों और रेलवन ऐप के माध्यम से संपूर्ण भारतीय रेल में किन्हीं दो स्टेशनों के बीच अनारक्षित टिकट बुक कर सकते हैं। अनारक्षित टिकट प्रणाली काउंटरों पर क्यूआर डिस्प्ले डिवाइस उपलब्ध हैं, जो यात्रियों को यूपीआई क्यूआर कोड स्कैन करके निर्बाध भुगतान करने में मदद करती हैं। रेलवन ऐप का उपयोग करके, यात्री यात्रा, सीज़न, प्लेटफ़ॉर्म टिकट और ऐड-ऑन सुपरफास्ट सरचार्ज टिकट भी बुक कर सकते हैं।

4. स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीन: स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीने यात्रियों द्वारा संचालित टिकट वेंडिंग मशीने हैं, जिनमें यात्रा और प्लेटफॉर्म टिकट जारी करने, मियादी टिकटों के नवीनीकरण, स्मार्ट कार्ड को रिचार्ज करने और चयनित स्टेशनों के बीच रेलगाड़ी की उपलब्धता जांचने की सुविधा होती है। यह भुगतान के लिए यूपीआई, आर-वॉलेट के साथ-साथ स्मार्ट कार्ड भी स्वीकार करती है। स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीनों में 2 क्लिक में सबसे अधिक बिकने वाले 30 गंतव्यों के लिए टिकट तेजी से बुक करने की सुविधा है। यात्री डायनामिक यूपीआई को स्कैन करके स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीनों के माध्यम से भुगतान करते हुए टिकट बुक कर सकते हैं और स्मार्ट कार्ड रिचार्ज कर सकते हैं।

5. एनटीईएस (राष्ट्रीय रेलगाड़ी पूछताछ प्रणाली): एनटीईएस विभिन्न माध्यमों से यात्रियों को रेलगाड़ी की लगभग वास्तविक समय की जानकारी प्रदान करती है, जिससे आवश्यक जानकारी त्वरित और आसानी से प्राप्त होती है। एनटीईएस की प्रमुख विशेषताओं में गाड़ी की वर्तमान स्थिति, स्टेशनों के बीच गाड़ियां, रेलगाड़ी समय-सारणी आदि शामिल हैं।

बहरहाल, भारतीय रेल में प्रौद्योगिकी उन्नयन एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है, जो तकनीकी व्यवहार्यता, व्यावसायिक व्यावहारिकता और संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर करती है।

****